सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 203 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जब आप समुद्री डाकू बन सकते है तो फिर नौसेना में जाने कि क्या जरूरत है?
-स्टीव जाब्स

पेरिस पैरालंपिक : शीतल देवी ने रचा... 7 | जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव पर... 3 | राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने की... 2

महिलाओं के उत्पीड़न पर पूरे देश में उबाल

यूपी से लेकर बंगाल तक सियासत गर्म

विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा, केंद्र ने राज्यों पर फोड़ा ठीकरा

» जांच एजेंसियों ने जांच में लाई तेजी

» कोलकाता में दुष्कर्म पीड़िता की मां का फूटा गुस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी, महाराष्ट्र से लेकर बंगाल तक महिलाओं पर हो रहे यौन उत्पीड़न को लेकर पूरे देश में बवाल मचा है। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद में यौन शोषण, फर्रुखाबाद में बालिकाओं के शव मिलने को लेकर जहां योगी सरकार पर सपा, बसपा व कांग्रेस हमलावर है वहीं पश्चिम बंगाल में ममता सरकार पर भाजपा का हमला जारी है। नेता अपने बयान में एक दूसरे को घेर रहे हैं।

इसबीच पीड़ितों के परिजनों ने सरकारों पर आरोप लगाया है कि वह सिर्फ राजनीति कर रही हैं उन्हें उनके दर्द से कोई लेना देना नहीं है। इस बीच बंगाल के राज्यपाल ने गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। वहीं जांच एजेंसियों ने अपनी जांच में तेजी लाई है।

कोलकाता के सरकारी आरजी कर अस्पताल में दरिंदगी की शिकार पीड़ता महिला चिकित्सक की मां ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फिर निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बुधवार को जो कहा,उससे हमें बहुत दुख हुआ कि परिवार नहीं चाहता। पूरा देश हमारी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रहा है और हम न्याय नहीं चाहेंगे? ममता बनर्जी को बेटा या बेटी नहीं हैं। इस वजह से वो बच्चा गंवाने का दर्द नहीं समझ सकतीं। पीड़ता के माता-पिता ने कहा कि हम न्याय की उम्मीद करते हैं, जो लोग हमारे लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, हम उनके हमेशा आभारी रहेंगे। अगर हम उनकी कोई मदद कर सकते हैं तो हम जरूर करेंगे।

न्याय

राज्य ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे : राजनाथ

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले को लेकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली बंगाल सरकार पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति सख्त रवैया अपनाया है, लेकिन कई राज्य इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास नहीं कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ हुए जघन्य बलात्कार और हत्या की पृष्ठभूमि में महिलाओं के स्वास्थ्य और महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने घटना को दिल दहला देने वाला और शर्मनाक बताया, हालांकि उन्होंने बंगाल सरकार को सीधे तौर पर दोषी ठहराने से परहेज किया, जो इस मामले को दबाने के आरोपों से घिरी हुई है। देश में महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों और अपराधों को देखते हुए, तमाम बदलावों के बावजूद ऐसा लगता है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

गाजियाबाद में किशोरी से दुष्कर्म पर बवाल

गाजियाबाद के साहिबाबाद में लिंक रोड थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी बुधवार शाम करीब पांच बजे रिक्शा चालक की 16 साल की बेटी के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया गया। इस केस में नामजद कराए गए साहिबाबाद के शहीदनगर एक निवासी को पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह दस बजे गिरफ्तार कर लिया। वह लिंक रोड क्षेत्र में कबाड़ी की दुकान पर काम करता है। पीड़िता और आरोपी अलग-अलग समुदाय के होने की वजह से तनाव की स्थिति बन गई। गुस्साए लोगों ने तोड़फोड़ और आगजनी की।

प्रधानमंत्री संवेदनशील मुद्दों पर जवाब क्यों नहीं देते: ममता बनर्जी

» रेप के मामलों पर बंगाल की सीएम ने पीएम मोदी को फिर लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। कोलकाता रेप-हत्या कांड को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को एकबार फिर चिट्ठी लिखी है। सीएम ममता ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में लिखा, बलात्कार की घटनाओं पर कड़े केंद्रीय कानून की आवश्यकता और ऐसे अपराधों के अपराधियों को अनुकरणीय सजा देने की आवश्यकता के संबंध में 22 अगस्त, 2024 का मेरा पत्र संख्या 44-सीएम का जवाब नहीं मिला।

ममता बनर्जी ने लिखा, इतने संवेदनशील मुद्दे पर आपकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री से एक उत्तर प्राप्त हुआ है। जो मेरे पत्र में उठाए गए मुद्दे की गंभीरता पर ध्यान नहीं देता है। मेरा विचार है कि इस सामान्य उत्तर को भेजते समय विषय की गंभीरता को ध्यान में नहीं रखा गया है। ममता बनर्जी ने रोज होने वाले रेप के आंकड़ों का जिके करते हुए चिट्ठी में लिखा है कि ऐसा कानून बनाने की जरूरत है जो अपराधियों के लिए एक उदाहरण साबित हो। उन्होंने मांग की है कि ऐसे मामलों में पीड़ित परिवार को 15 दिनों में न्याय मिले इसकी व्यवस्था करने की जरूरत है।

देश के पीएम से सवाल नहीं पूछ सकते तो किससे पूछें : वर्षा गायकवाड़

कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुंबई यात्रा को चलते उन्होंने विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें और उनकी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन से पहले ही हिरासत में ले लिया। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2024 में शिरकत की। साथ ही प्रधानमंत्री पालघर में 76 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली वधवन पोर्ट परियोजना की भी आधारशिला रखेंगे। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि पुलिस सुबह 7 बजे से मेरे आवास पर है। वे मुझे दो कदम भी चलने नहीं दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट से तेलंगाना के सीएम रेवंत ने मांगी माफी

» बोले- मुझे न्यायिक प्रक्रिया में दृढ़ विश्वास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बयान जारी कर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका के प्रति मेरा सर्वोच्च सम्मान और पूर्ण विश्वास है। मैं समझता हूं कि 29 अगस्त, 2024 की कुछ प्रेस रिपोर्ट में मेरे नाम से की गई टिप्पणियों से यह आभास हुआ है कि मैं माननीय न्यायालय के न्यायिक विवेक पर सवाल उठा रहा हूं। मैं दोहराता हूं कि मैं न्यायिक प्रक्रिया में दृढ़ विश्वास रखता हूं।

रेवंत रेड्डी ने बयान जारी कर कहा,मैं प्रेस रिपोर्टों में व्यक्त किए गए बयानों के लिए बिना शर्त खेद व्यक्त करता हूं, ऐसी रिपोर्टों में मेरे नाम से की गई टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर कर दिया गया है, न्यायपालिका और इसकी स्वतंत्रता के प्रति मेरे मन में बिना शर्त सम्मान और सर्वोच्च आदर है, भारत के संविधान और उसके लोकाचार में दृढ़ विश्वास रखने वाले के रूप में, मैं कोर्ट को सर्वोच्च सम्मान देता हूं और देता रहूंगा। वहीं एक मानहानि के मामले में सीएम को समन जारी किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने की कोशिश में जुटे सपा प्रमुख

जम्मू-कश्मीर की मुस्लिम बहुल सीटों पर सपा की नजर, सपा प्रमुख अखिलेश ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद अब समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के प्रयास में जुटी है। इसके लिए उसने उत्तर प्रदेश के अलावा दूसरे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेने की ठानी है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने वाले चुनावों में उम्मीदवार उतारकर वह दोनों राज्यों में अपनी जमीन तलाशने में जुट गई है।

राजनीतिक जानकार बताते हैं कि समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 37 सीटें जीतकर राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बनाई है। लोकसभा के भीतर संख्या बल के हिसाब से वह देश की तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी है। सपा को अखिलेश यादव अब राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा दिलाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी कारण अभी हाल में जहां भी चुनाव होंगे वह अपने उम्मीदवार जरूर उतारने का प्रयास करेगी। फिलहाल जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में चुनाव लड़ने की तैयारी है।

हरियाणा में भी पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

सियासी जानकर बताते हैं कि सपा की कांग्रेस से भले इस मुद्दे पर कोई बात न हुई हो, लेकिन उसकी नजर जम्मू-कश्मीर की मुस्लिम बहुल सीटों पर है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ रही है। ऐसे में सपा को केंद्र शासित प्रदेश में गठबंधन में कोई सीट मिलने की संभावना कम है। लेकिन सपा इसके बावजूद चुनाव में ताल जरूर ठोकेगी। उधर, हरियाणा में भी समाजवादी पार्टी पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। लेकिन वह वहां पर कांग्रेस से गठबंधन चाह रही है। राष्ट्रीय स्तर पर बात भी चल रही है। क्योंकि वहां की सीटें ही कांग्रेस के यूपी उपचुनाव का भविष्य तय करेंगी।

पूर्व विधायक रामपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण

पूर्व विधायक रामपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण बृहस्पतिवार को उनके पैतृक गांव में किया गया। प्रतिमा का अनावरण करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्ति न्यायाधीश वीरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि पूर्व विधायक रामपाल ने हमेशा गरीबों की आवाज उठाई। यही वजह है कि सीतापुर ही नहीं पूरे प्रदेश में उनके चाहने वाले लोग हैं। मोहनलालगंज सांसद आर के चौधरी ने भी पूर्व विधायक रामपाल यादव के कृतित्व एवं वक्तित्व की तारीफ की। इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

जियालाल वर्मा बने जम्मू-कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष

सपा प्रमुख ने जियालाल वर्मा को जम्मू-कश्मीर का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। हालांकि वर्मा पुराने बसपाई हैं। वह 2004 में लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं और जम्मू कश्मीर में लगातार सक्रिय हैं। जियालाल वर्मा ने बताया कि अब तक विधानसभा चुनाव के लिए 10 आवेदन आ चुके हैं। दो चरण के चुनाव में ही भाग ले सकते हैं। हम आखिरी दो चरणों में होने वाले चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात करके मंथन किया जाएगा इसके बाद उम्मीदवार घोषित होंगे। उन्होंने बताया कि इंडिया गठबंधन से पार्टी का राष्ट्रीय स्तर पर समझौता है। लेकिन प्रदेश स्तर पर अभी चर्चा चल रही है। उन्होंने बताया कि हमारी कमेटी घोषित होनी है। यहां पर सपा के पुराने कार्यकर्ता बहुत पहले से हैं। चुनाव जरूर लड़ेंगे। लेकिन, अभी सीटें तय नहीं हैं।

हरियाणा में है पार्टी संगठन मजबूत: भाटी

सपा के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र भाटी का कहना है कि गठबंधन में सपा ने पांच-छह सीटों की मांग की है। उन्होंने कहा, अभी हमारी बात चल रही है। अगर गठबंधन नहीं होता तो हम कम से कम 25-30 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। सपा नेता ने कहा कि हालांकि भूपेंद्र हुड्डा ने गठबंधन के लिए मना किया है, फिर भी केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत हो रही है। एक-दो दिन में फाइनल हो जायेगा। हमने राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपनी 10-11 सीटों पर चुनाव लड़ने की सूची दी है। भाटी ने बताया कि पार्टी का संगठन हरियाणा में काफी मजबूत है। हर जिले में कमेटी भी है। कार्यकर्ता भी सक्रिय हैं। चुनाव लड़ने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है।

बलिदानी अग्निवीरों के परिवारों को पुलिस की तरह देंगे मुआवजा: सोरेन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

रांची। झारखंड सरकार ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले अग्निवीरों को लेकर फैसला लिया। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के बलिदानी अग्निवीरों के परिवारों को पुलिस की तरह मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा गरीबों का बकाया बिजली बिल भी माफ किया जाएगा।

» झारखंड सरकार का फैसला

झारखंड के राजनीतिक घटनाक्रम पर उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इसलिए कुछ दिनों बाद धीरे-धीरे सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। झारखंड में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार नए फैसले लागू कर रही है।

बलिदान देने वाले अग्निवीरों के परिवारों को पुलिस की तरह मुआवजा देने के फैसले को भी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार ने गरीबों का बकाया बिजली बिल माफ करने का फैसला लिया है। इसके लिए जल्द ही कार्ययोजना बना दी जाएगी। इस फैसले को लागू करने से झारखंड सरकार पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ेगा।

सरकारी अस्पतालों में निजी डॉक्टर करेंगे इलाज

झारखंड के सरकारी अस्पतालों में अब निजी डॉक्टर मरीजों का इलाज करेंगे। राज्य सरकार ने अस्पतालों में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए यह फैसला लिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को नियुक्त पत्र वितरण के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए काम कर रही है।

सुखबीर बादल ने बलविंदर को नियुक्त किया कार्यकारी अध्यक्ष

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ को बृहस्पतिवार को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया। यह कदम अमृतसर में सिख पंथ के पांच प्रमुख धर्मगुरुओं(सिंह साहिबानों) की महत्वपूर्ण पंथिक मुद्दों पर चर्चा के लिए होने वाली बैठक से एक दिन पहले उठाया गया है। शिरोमणि अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सुखबीर सिंह बादल ने पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भूंदड़ को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने छह अगस्त को जारी एक बयान में घोषणा की कि सिंह साहिबानों (प्रमुख धर्मगुरुओं) की बैठक 30 अगस्त को होगी। इसका नेतृत्व अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह करेंगे।

सिमरनजीत सिंह ने कंगना रनौत पर की अभद्र टिप्पणी

भाजपा की सांसद और मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत को लेकर शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान ने एक बेहद विवादास्पद बयान दिया है। किसान आंदोलन के संदर्भ में कंगना रनौत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि मैं यह नहीं कहना चाहता लेकिन कंगना रनौत को रेप का बहुत अनुभव है और आप उनसे पूछ सकते हैं कि रेप कैसे होता है ताकि लोगों को समझाया जा सके कि रेप कैसे होता है।

भाजपा से नफरत करने की सोच को बदलें मुसलमान: नकवी

» बोले- पांच लाख मुसलमानों को पार्टी से जोड़ने का है लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सदस्यता अभियान के दौरान भाजपा अन्य जातियों के साथ ही मुस्लिमों को भी पार्टी से जोड़ने पर फोकस करेगी। पार्टी ने तय किया है कि 5 लाख मुसलमानों को सदस्य बनाया जाएगा। सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा मुख्यालय के साथ ही अलग-अलग स्थानों पर अल्पसंख्यक मोर्चा और किसान मोर्चा ने भी बैठक करके अभियान की रणनीति पर चर्चा की।

गांधी भवन में आयोजित अल्पख्यक मोर्चा की कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने भी संबोधित किया। उन्होंने खासकर मुसलमानों से भाजपा से नफरत करने की सोच को बदलने की अपील की। उन्होंने विपक्ष पर

करारा प्रहार करते हुए कहा कि सामंती सुल्तानों के तथाकथित सिंडिकेट के दुष्प्रचार से पैदा भय-भ्रम के चलते एक राष्ट्रवादी राजनैतिक दल के साथ अश्पृश्यता और असहिष्णुता के रवैये को बदलना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा किसी के विकास में कमी नहीं करती तो उसे वोट देने में कंजूसी करना नाजायज है। केंद्रीय मंत्री ने अल्पसंख्यक समाज को सावधान रहने की सलाह देते हुए कहा कि कुछ सियासी सामंती सूबेदार संविधान, लोकतंत्र, सेक्यूलरिज्म और अल्पसंख्यकों पर खतरे के भय-भ्रम और भौकाल से देश के अल्पसंख्यकों को प्रगति की धारा से अलग करने की साजिश है।

जिस ब्यूरोक्रेसी पर आरोप लगाए उसी से ले रहे काम: गहलोत

» ब्यूरोक्रेसी पर घिरे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी को लेकर भजनलाल सरकार बुरी तरह से घिरती जा रही है। जिन अफसरों के खिलाफ विपक्ष में रहते हुए भाजपा लगातार आरोप लगा रही थी, वही अफसर मौजूदा सरकार को चला रहे हैं।

आठ महीने की सत्ता के बाद भजनलाल सरकार इन अफसरों को टस से मस नहीं कर पाई है। इसे लेकर अब पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भी सरकार पर हमला बोला है और अपनी पीठ थपथपाई है। पूर्व सीएम अशोक

गहलोत ने आईएएस और आईपीएस के तबादलों को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल पर तीखा हमला बोला। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- हमारी सरकार के दौरान भाजपा ने प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी पर तमाम आरोप लगाए थे। हमारी सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर आईएएस ,आईपीएस आईएफएस, आरएएस व आरपीएस की नियुक्तियों पर भाजपा के साथी अनर्गल टिप्पणियां करते थे। आज सरकार के करीब 8 महीने हो जाने के बाद भी सरकार चलाने वाले प्रमुख पदों पर हमारी सरकार के समय लगाए गए अधिकारी ही काबिज हैं। यह दिखाता है कि हमारी सरकार द्वारा की गई नियुक्तियां पूरी तरह उचित थीं एवं भाजपा के आरोप पूरी तरह गलत साबित हुए हैं।

भाजपा विधायक शंकर सिंह रावत ने भी उठाए सवाल

ब्यावर से भाजपा विधायक शंकर सिंह रावत ने अफसरशाही हावी होने पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस राज के समय से बैठे अफसरों ने कई जगह बपौती जमा रखी है। कई सरकारी कार्यालयों में कांग्रेस के कार्यकाल से अफसर बैठे हुए हैं, वहां उन्होंने ऐसे बपौती जमा रखी है कि जैसे शासन तो हम चला रहे हैं।

बीजेपी को सता रही उपचुनाव की चिंता: अफजाल अंसारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। सपा सांसद अफजाल अंसारी ने बांग्लादेश के हालात पर चर्चा करते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी के कार्यक्रम में उन्होंने क्षेत्र के लोगों की समस्या सुनी। इसके बाद मीडिया से बातचीत की।

अफजाल अंसारी ने कहा कि बांग्लादेश, श्रीलंका में जो हुआ, वो किसी देश में नही होना चाहिए। इस घटना से पूरी दुनिया में संदेश गया कि जनता सबसे बड़ी है। उन्होंने बिना नाम लिए बीजेपी को भी घेर लिया। साथ ही 69 हजार शिक्षक भर्ती पर हाईकोर्ट का फैसला सही बताया। अफजाल अंसारी ने बिना नाम लिए कहा कि 10

सीटों पर हो रहे उपचुनाव की चिंता उन्हें (बीजेपी को) सता रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर, हरियाणा में चुनाव की तारीख को घोषित की गई है। वहीं महाराष्ट्र, झारखंड मे चुनाव की तारीखों को क्यों नही घोषित किया गया। अफजाल ने कहा कि देश में लोकसभा चुनावों के बाद महंगाई बढ़ी है। कानून व्यवस्था लगातार बदतर होती जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव पर लगने लगे दांव

उम्मीदवारों ने नामांकन भरना शुरू किया

नेताओं से लेकर जनता तक में भारी उत्साह

» भाजपा ने तय किए प्रत्याशियों के नाम

» सभी सियासी दलों ने घोषित किए प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हो रहे चुनाव को लेकर राज्य की सियासी पार्टियों के साथ-साथ वहां लोग भी उत्साहित हैं। चुनावों के घोषणा के बाद ही वैसे नेताओं ने चुनावों के लिए काम करना शुरू कर दिया था। भाजपा, कांग्रेस से लेकर हर छोटी-बड़ी पार्टी ने कमर कसना शुरू कर दिया था। सभी दलों ने अपने-अपने दांव चलने भी शुरू कर दिए हैं। इस हफ्ते पर्चे भरने का काम भी शुरू हो गया। तीन सौ से ज्यादा लोग अब तक नामाकंन कर चुके हैं।

ज्ञात हो कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव है। कांग्रेस व नेकां में गठबंधन हो चुका है। भाजपा का किसी भी दल के साथ औपचारिक गठबंधन नहीं हुआ है। जम्मू-कश्मीर में मतदान 18, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होगा, और परिणाम 4 अक्टूबर को आएंगे। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले चरण में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, अनंतनाग व कुलगाम तथा चिनाब वैली के किश्तवाड़, डोडा व रामबन जिले की 24 विधानसभा सीटों पर 280 नामांकन हुए। इसके साथ ही, प्रतिबंधित संगठन जमात ए इस्लामी से जुड़े लोग निर्दलीय प्रत्याशियों के रूप में चुनाव मैदान में उतरेंगे। वहीं नेकां, कांग्रेस व भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं, जबकि महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को 28 सीटें मिली थीं। भाजपा और पीडीपी ने गठबंधन सरकार बनाई थी, लेकिन 2018 में भाजपा के गठबंधन से हटने के बाद सरकार गिर गई थी। भाजपा के चुनाव प्रचार की रणनीति के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जम्मू-कश्मीर में 10-12 रैलियां करेंगे, जिनमें कश्मीर में भी रैलियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की रैलियां भी होंगी। बैठक में भाजपा के प्रमुख नेता जैसे राज्यसभा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, महामंत्री संगठन बीएल संतोष, सांसद डॉ. जितेंद्र सिंह, और प्रदेश चुनाव प्रभारी राम माधव सहित अन्य लोग शामिल थे। जम्मू-कश्मीर के दक्षिणी हिस्से में कुछ सीटें पहले चरण के लिए चिह्नित की गई हैं, जिनमें कुलगाम, देवसर, बिजबिहाड़, जैनापोरा, त्राल, पुलवामा और राजपोरा शामिल हैं।

नेकां के 18 नामों का एलान

वहीं जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 18 नामों की घोषणा की है, जिसमें सेवानिवृत्त जस्टिस हुसैन मसूदी को पंपोर से, मोहम्मद खलील बंद को पुलवामा से, अब्दुल मजीद लारमी को अनंतनाग पश्चिम से, खालिद नजीब को डोडा से चुनावी मैदान में उतारा है। उधर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी स्थित साफ कर दी है। पार्टी ने घाटी में नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। इसके तहत कांग्रेस प्रदेश की 32 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारेगी। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस 51 सीटों पर लड़ेगी। इसके अलावा पांच सीटों पर दोनों अपने-अपने प्रत्याशी उतारेंगे।

कांग्रेस ने नौ उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की

नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच मैराथन बैठक के बाद 83 सीटों पर सहमति बन गई। इसमें 51सीटों पर नेकां और 32 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। जिसके बाद कांग्रेस ने नौ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। गुलाम अहमद मीर को दूरू से और विकार रसूल वानी को बनिहाल से मैदान में उतारा गया। कांग्रेस ने त्राल सीट से सुरिंदर सिंह चन्नी, देवसर से अमानुल्ला मंटू, अनंतनाग से पीरजादा मोहम्मद सैयद, इंदरवाल से शेख जफरुल्लाह, भद्रवाह से नदीम शरीफ, डोडा से शेख रियाज और डोडा पश्चिम से प्रदीप कुमार भगत को मैदान में उतारा है। पांच सीटों पर सहमति नहीं बनने के कारण यहां दोस्ताना मुकाबला होगा। जबकि एक सीट माकपा और एक सीट पैंथर्स पार्टी को दी गई है। इस सहमति के बाद नेकां ने 18 उम्मीदवारों की सूची का एलान कर दिया है। पिछले कुछ समय से सीटों के बंटवारे पर फंसे पेंच को सुलझाने के लिए दोनों दलों के बीच बैठक का पहला दौर सोमवार शुरू हुआ। कांग्रेस का कोई शीर्ष नेता फारूक के आवास पर नहीं पहुंचा तो गठबंधन होने या टूटने के बारे में अटकलों का बाजार गर्म होने लगा। शाम आते-आते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल, सलमान खुर्शीद, पवन खेड़ा और भारत सोलंकी फारूक के आवास पर पहुंचे और करीब एक घंटे की बैठक के बाद सहमति बन गई।

उम्मीदवारों ने पर्चे भरने शुरू किए

दक्षिण कश्मीर में जमात से जुड़े कई सदस्यों ने भी लोकतंत्र में आस्था जताते हुए पर्चा भरा। इसके साथ ही 2016 की हिंसा में पत्थरबाजी के लिए कुख्यात अलगाववादी सर्जन बरकती ने भी चुनाव में भागीदारी की। उनकी बेटी सुगरा बरकती ने उनकी ओर से पर्चा भरा। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती, आतंकियों की गोली का शिकार बने किश्तवाड़ के अनिल परिहार के परिवार की शगुन परिहार, पूर्व मंत्री सुनील शर्मा व शक्तिराज परिहार, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विकार रसूल वानी व जीए मीर, नेकां के पूर्व सांसद हसनैन मसूदी, सीपीआई एम नेता एम वाई तारिगामी, पूर्व विधायक जीएम सरूरी ने पर्चा भरा। शनिवार, रविवार और सोमवार को नामांकन न होने से मंगलवार को आखिरी दिन होने से नामांकन करने वालों की भारी भीड़ रही। सुरक्षा की दृष्टि से सभी सीटों पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। दक्षिण कश्मीर में उमर व फारूक नेकां प्रत्याशियों के पर्चा भरने के दौरान मौजूद रहे तो महबूबा मुफ्ती पीडीपी प्रत्याशी के साथ रहीं। चिनाब वैली में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने डोडा व प्रदेश प्रभारी तरुण चुग ने रामबन में मौजूद रहकर प्रत्याशियों के नामांकन के दौरान हौसला बढ़ाया। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी के पूर्व अध्यक्ष तलत मजीद अलाई ने पुलवामा व पूर्व अध्यक्ष नजीर अहमद भट ने देवसर सीट से पर्चा दाखिल किया। जमात के एक अन्य पूर्व नेता सयार अहमद रेशी ने भी कुलगाम विधानसभा क्षेत्र से नामांकन किया। नामांकन के लिए जाने से पहले बरकती की बेटी सुगरा ने जेल से बारामुला संसदीय सीट पर जीत दर्ज करने वाले इंजीनियर रशीद के बेटों की तरह भावुक अपील की।

जमात इस्लामी नेताओं का चुनाव लड़ना अच्छा कदम : उमर

नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि प्रतिबंधित जमात इस्लामी के नेताओं का जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनावों में भाग लेने का फैसला समय के अनुकूल है। अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में कहा, "हमें बताया गया था कि चुनाव हराम (निषिद्ध) है, लेकिन अब चुनाव हलाल (मान्य) हो गए हैं। देर आए दुरुस्त आए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि लोकतंत्र ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। 35 वर्षों तक जमात इस्लामी ने एक खास राजनीतिक विचारधारा का पालन किया, जो अब बदल गई है। यह अच्छी बात है।हम चाहते थे कि जमात पर से प्रतिबंध हटाया जाए और वे अपने चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। फिर भी अच्छा है कि वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।"एक सवाल पर अब्दुल्ला ने कहा कि यह मतदाताओं को तय करना है कि अगर जमात पीपुल्स कॉन्फ्रेंस को समर्थन देती है तो वह किस पार्टी का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के भाजपा के साथ संबंध सार्वजनिक हैं। यदि जमात पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का समर्थन करती है, तो मतदाता को पता चल जाएगा कि वे किस पक्ष का समर्थन कर रहे हैं।

नेकां के गठबंधन के प्रस्ताव को मायावती ने ठुकराया

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बसपा सुप्रीमो मायावती को जम्मू कश्मीर चुनाव में गठबंधन का प्रस्ताव दिया था। जिसको लेकर सूत्रों के अनुसार, पता चला है कि मायावती ने उमर अब्दुल्ला का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। जानकारी के अनुसार, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बीएसपी के शीर्ष नेतृत्व से जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन के लिए बात की थी। मगर कांग्रेस के साथ उमर की बातचीत के चलते मायावती ने साफ इंकार कर दिया है। बता दें कि, बसपा सभी दलों को 2014 के विधानसभा चुनाव में कदुआ विधानसभा सीट पर 31.65 फीसदी वोट पाकर चौंका चुकी है।जम्मू कश्मीर में बसपा को साल 1996 के चुनाव में चार सीटों पर और 2002 में एक सीट पर सफलता हासिल हुई थी। दरअसल, जम्मू कश्मीर में परिसीमन के बाद इस चुनाव में कुल 90 विधानसभा सीटें होंगी। चुनाव आयोग ने बताया कि जम्मू कश्मीर विधानसभा में इस बार 3 सीटें बढ़ाई गई हैं। पिछली बार जम्मू कश्मीर विधानसभा में 87 सीटें थीं। राजीव कुमार ने कहा, जम्मू कश्मीर की 90 सीटों में से 74 सामान्य हैं. वहीं, अनुसूचित जनजाति के 9 और अनुसूचित जाति के लिए 7 सीटें आरक्षित की गई हैं। जबकि, चुनावी नतीजे चार अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर कैसे रूकेगा फिल्मों का काला सच!

फिल्मों में कास्टिंग काउच, नैपोटिज्म, सेक्सुअल फेवर की डिमांड और यौन शोषण की खबरें आना आम बात है। हालांकि अमूमन ऐसी खबरे बॉलीवुड से सुनने को मिलती है। पर दक्षिण के मलायम फिल्म इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट ने वहां की काली सच्चाई को सबके सामने ला दिया है। दरअसल वहां पर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आई है जिसने पूरे देश में तहलका मचा दिया है। फिल्म इंडस्ट्री वो जगह जहां काम करने का सपना कई लड़कियां देखती हैं। भले ही ये इंडस्ट्री बहुत ग्लैमर और चमक-धमक भरी हो लेकिन इस पर कई तरह के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। कई कलाकारों की तरफ से सेक्सुअल फेवर वाली शिकायत या यूं कहें कि आरोप लगते रहे हैं। ये बात जितनी तेजी से उठती है उतनी ही तेजी से दब भी जाती है। लेकिन अब एक बार फिर से ये बातें उठने लगी है। हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के उस काले सच को उजागर किया है जिसकी चर्चा अक्सर दबी जुबान में होती रही है।

“ फिल्म इंडस्ट्री वो जगह जहां काम करने का सपना कई लड़कियां देखती हैं। भले ही ये इंडस्ट्री बहुत ग्लैमर और चमक-धमक भरी हो लेकिन इस पर कई तरह के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। कई कलाकारों की तरफ से सेक्सुअल फेवर वाली शिकायत या यूं कहें कि आरोप लगाते रहे हैं। ये बात जितनी तेजी से उठती है उतनी ही तेजी से दब भी जाती है। लेकिन अब एक बार फिर से ये बातें उठने लगी है।

रिपोर्ट सामने आने के बाद से सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। हेमा कमेटी के खुलासों के बाद दो अभिनेत्रियों ने यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की कुछ कलाकारों ने हैरान करने वाले खुलासे के जरिए बताया कि फिल्म में रोल पाने के लिए उन्हें क्या क्या करना पड़ता है। आखिर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में ऐसा क्या है? इस रिपोर्ट से मलयाली सिनेमा के बड़े नामों के बारे में क्या पता चला है, मलायम फिल्म इंडस्ट्री पर इसका क्या असर देखने को मिल रहा है। मलयालम फिल्म जगत के काले चिट्ठे खोलती 235 पन्नों की रिपोर्ट पिछले दिनों पेश हुई। इसे जस्टिस के हेमा के नेतृत्व में बनी कमेटी ने तैयार किया था। ये बताती है कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कैसे सुनियोजित तरीके से महिलाओं का शोषण और यौन शोषण किया जाता है। कमेटी ने इंडस्ट्री की कुछ ऐसी महिलाओं से बात की जिनकी उम्र 30 साल से कम है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अलग अलग स्तर पर काम किया। उस दौरान शोषण झेला। मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन यानी एएएमएमए की 17 सदस्यों की टीम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अभिनेता मोहनलाल साउथ सिनेमा के फेमस एक्टर हैं। उन्हीं मोहनलाल की अध्यक्षता वाले संगठन के 17 सदस्यों ने नैतिकता के आधार पर ये इस्तीफा दिया। ये तो एक पहलू हे पर असली बात यह है इसे रोकने के लिए क्या कार्ययोजना बनाई जा रही है। चूकि यह भारत के हर प्रकार के सिनेमा में पाई जाती है इसलिए सरकार को राज्य स्तर पर कोई ऐसा ठोस कदम उठाना होगा ताकि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं घटित न हों।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनेताओं से मुक्त पुलिस ही दिलाएगी न्याय

बीएल वोहरा

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार एवं हत्या ने न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि समूचे देश में रोष एवं उद्वेलन पैदा किया। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल और पुलिस पर इस जघन्य अपराध की जांच में तेजी न लाने का आरोप लगा है। केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और राज्य सरकार एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सजा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए।

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफ से भी दिए हैं। कोलकाता में कुछ दिन पहले एक और समस्या उत्पन्न हुई, जब शहर के विभिन्न इलाकों में कानून-व्यवस्था की नाजुक स्थिति को संभालने के लिए अधिकांश पुलिस बल की तैनाती के कारण साल्ट लेक स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप फुटबॉल मैच रद्द करना पड़ा। इससे भड़के युवाओं की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लाठीचार्ज किया गया और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, महाराष्ट्र के बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना ने देशभर में व्याप्त आक्रोश को और बढ़ा दिया। हमारे देश में भयावह अपराध और राजनीतिक कीचड़ उछालना कोई नई बात नहीं है। वर्षों से यही होता आया है और होता रहेगा, क्योंकि मूल बीमारी का इलाज कोई नहीं करना चाहता, केवल लक्षणों का उपचार करने में लगे रहते हैं।

व्याधि यह है कि सूबों में पुलिस सत्तारूढ़ दल की निजी सेना बनकर रह गई है क्योंकि पुलिस अधिनियम, 1861 के अंतर्गत वह कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है - इसका मतलब है सत्तारूढ़ दल के नेताओं के आदेश से बंधना। कहने की जरूरत नहीं है कि तमाम

राजनीतिक दल पुलिस पर इस किस्म के नियंत्रण से बहुत खुश हैं। यह बात भारत के सभी सूबों और पार्टियों के लिए सच है। इसीलिए आम नागरिक के लिए कोई न्याय नहीं है, क्योंकि पुलिस ज्यादातर सत्ताधारी पार्टी के निर्देशों के अनुसार काम करती है, खासकर जब मामला हाई-प्रोफाइल अपराध का हो। बेशक, अपना काम कुशलतापूर्वक नहीं करने के लिए दोष पुलिस नेतृत्व पर भी आता है, दुर्भाग्यवश इसके पीछे काफी हद तक वजह है भ्रष्टाचार और करिअर हितों के कारण फर्ज से समझौता करना, लिहाजा कई पुलिसकर्मी राजनेताओं से हाथ मिला लेते हैं, मुख्यत: इसलिए भी क्योंकि यह राजनेता ही हैं, जो उन्हें तरक्की-इनाम दिलवा सकता है या फिर कई तरीकों से तंग कर सकता है। हम अभी भी 1861 के कानून पर अटके पड़े हैं। एक बार पुलिस को संविधान और संसद के प्रति जवाबदेह बना दिया जाए तो स्थिति में काफी सुधार होगा। तब हमारी पुलिस भी कई अन्य देशों की भांति बिना किसी डर के, कानून के अनुसार स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकेगी। हालांकि, सोली सोराबजी समिति द्वारा मॉडल पुलिस अधिनियम बनाए कई साल गुजर गए। लेकिन कोई भी इस पर अमल नहीं करना चाहता, यहां तक कि केंद्र सरकार भी नहीं। हैरत यह है कि सुप्रीम कोर्ट, जिसने खुद 2006 में पुलिस सुधारों पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, वह भी अपने निर्देशों पर अक्षरश: कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकारों को अवमानना नोटिस जारी करने को उत्सुक नहीं है। सूबा सरकारों ने उन निर्देशों पर महज लीपापोती की है। अंग्रेजों ने हमें पुलिस के लिए जो कानून और प्रक्रियाएं दीं, वे समय की जरूरत के अनुसार बदलती थीं। राजनीतिक दलों द्वारा मामलों का राजनीतिकरण न किए जाने से न्याय त्वरित होता है।

ब्रिटेन में हाल ही में हुए दंगों में, बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के, कुछ दंगइयों को अपराध किए जाने के कुछ ही दिनों के अंदर 20 महीने के लिए जेल भेज दिया गया है! क्या आप भारत में ऐसा होने की कल्पना कर सकते हैं? एक अन्य समस्या देश में पुलिस बल की दयनीय स्थिति है। गंभीर अपराध वाले मामलों की तफ्तीश करने में पुलिस को कई प्रकार के संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है। भवन, वाहन, उपकरण आदि से संबंधित ढांचागत कमियों के अलावा साइबर अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए लगभग पांच लाख रिक्तियां हैं, सूची अंतहीन है।

कृतज्ञता से भर देता है संवेदना का अमृत

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

बेटी ने सर्वोत्तम अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की है और मुझसे किये वादे को पूरा कर दिखाया है। सिर्फ इसके लिए एक डोसा ले आओ।' इसके बाद वेटर ने उस व्यक्ति से पूछा, 'श्रीमान आपके लिए क्या लाना है?' तब उस व्यक्ति ने स्पष्ट शब्दों में ईमानदारी से कहा, 'क्षमा कीजिए, मेरे पास तो सिर्फ एक ही डोसे के पैसे हैं, इसलिए कृपया मेरे लिए कुछ नहीं लाना है।'

निस्संदेह, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और उसके किसी भी व्यवहार से आने वाली पीढ़ियां निरंतर प्रेरणा लेती हैं। जब व्यक्ति समाज में एक-दूसरे के सुख-दु:ख में साथ खड़ा होता है, तो हम उसके इसी व्यवहार को 'संवेदना' कहकर प्रशंसा करते हैं। एक दार्शनिक ने लाख पते की बात कही भी है कि मनुष्य द्वारा सुख बांटने से बढ़ता है और दु:ख बांटने से घटता है। यही वजह है कि दुनिया में मानवीय संवेदना को मनुष्य का सर्वोत्तम गुण माना गया है। व्यावहारिक जीवन में यदि कोई कष्ट में हो और आप निस्वार्थ भाव से उसकी मदद कर दें, तो वह जीवनपर्यंत आपका ऋणी हो जाता है। इतना ही नहीं, आमतौर पर वह व्यक्ति आपकी इस मदद को सदा याद रखता है। सही मायनों में आदमी का यह गुण तो 'कृतज्ञता' कहलाता है और यही गुण जीवन भर के लिए दूसरे व्यक्ति के हृदय में सम्मान दिलवा देता है।

मेरा मानना है कि 'संवेदना' और 'कृतज्ञता' मानव-जीवन को अमृततुल्य बना देती हैं। आज संयोगवश एक ऐसी घटना पढ़ने को मिली है, जिसने अंतर्मन को छू लिया है। इस तरह के प्रसंग पढ़कर मन भाव विभोर हो जाता है- 'एक बार की बात है कि फटी धोती और कमीज पहने एक व्यक्ति 15-16 साल की बेटी के साथ एक बड़े होटल में पहुंचा। उन दोनों को कुर्सी पर बैठा देख एक वेटर ने उनके सामने की टेबल पर दो गिलास ठंडा पानी रखकर पूछा, 'आपके लिए क्या लाना है?' उस व्यक्ति ने कहा, 'मैंने अपनी बेटी से वादा किया था कि यदि तुम कक्षा दस में जिले भर में प्रथम आओगी, तो मैं तुम्हें बड़े होटल में एक बढ़िया डोसा खिलाऊंगा। बेटी ने सर्वोत्तम अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की है और मुझसे किये वादे को पूरा कर दिखाया है। सिर्फ इसके लिए एक डोसा ले आओ।' इसके बाद वेटर ने उस व्यक्ति से पूछा, 'श्रीमान आपके लिए क्या लाना है?' तब उस व्यक्ति ने स्पष्ट शब्दों में ईमानदारी से कहा, 'क्षमा कीजिए, मेरे पास तो सिर्फ एक ही डोसे के पैसे हैं, इसलिए कृपया मेरे लिए कुछ नहीं लाना है।' पूरी बात सुनकर वह वेटर मालिक के पास गया और पूरी बात बता कर बोला, 'मैं इन दोनों को भर पेट नाश्ता कराना चाहता हूं।

अभी मेरे पास पैसे नहीं हैं, इसलिए इनके बिल की रकम आप मेरी सैलरी से काट लेना।' वेटर की संवेदना से अभिभूत हुए होटल मालिक ने कुछ अधिक संवेदनशील निर्णय लिया। होटल मालिक ने इसके बाद अपना निर्णय वेटर के सामने रखा, 'आज हम अपने होटल की तरफ से शहर की इस होनहार बेटी और उसके पिता को सफलता की पार्टी देंगे।' होटलवालों ने एक टेबल को अच्छी तरह से सजाया। उन्होंने बहुत ही शानदार ढंग से सभी उपस्थित ग्राहकों के साथ उस मेधावी बच्ची की सफलता का जश्न मनाया। इतना ही नहीं, होटल के मालिक ने उन्हें एक बड़े थैले में कुछ डोसे और पूरे मोहल्ले में बांटने के लिए मिठाई उपहार स्वरूप पैक करके भी दे दी। इतना सम्मान पाकर पिता की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। इस सम्मान से प्रसन्न हुए वे दोनों अपने घर चले गए। धीरे-धीरे समय बीतता गया। सुखद संयोग था कि एक दिन वही लड़की उसी जिले में कलेक्टर बनकर आई। उसने सबसे पहले उसी होटल में एक सिपाही भेजकर कहलवाया कि शहर की नई कलेक्टर आज नाश्ता करने आपके होटल में आएंगी। होटल के मालिक ने तुरंत एक टेबल को अच्छी तरह सजवा दिया और इंतजार करने लगा। तभी कलेक्टर बनी वही लड़की होटल में मुस्कराती हुई अपने माता-पिता के साथ पहुंची। सभी उसके सम्मान में खड़े हो गए। होटल के मालिक ने उन्हें गुलदस्ता भेंट किया और आर्डर के लिए निवेदन किया। उस लड़की ने खड़े होकर होटल मालिक और वेटर के सामने झुककर कहा, 'शायद आप दोनों ने मुझे पहचाना नहीं। मैं वही लड़की हूं, जिसके पिता के पास दूसरा डोसा खरीदने के पैसे नहीं थे और आप दोनों ने मानवता की सच्ची मिसाल पेश करते हुए मेरे 'टॉप' करने की खुशी में एक शानदार पार्टी दी थी और पूरे मोहल्ले के लिए मिठाई पैक करके दी थी। उस दिन आपके द्वारा दिए प्रोत्साहन ने मुझे प्रेरित किया। कालांतर में मैं कलेक्टर बनी हूं। आप दोनों का संबल मैंने हमेशा याद रखा। आज यह पार्टी मेरी तरफ से है और उपस्थित सभी ग्राहकों एवं पूरे होटल स्टाफ का बिल मैं दूंगी।' होटल मालिक और वेटर कलेक्टर के व्यवहार से भावविभोर हो गए। वे और वहां उपस्थित हर व्यक्ति कलेक्टर की इस संवेदना और कृतज्ञता की भावना को देखकर मंत्रमुग्ध होकर तालियां बजा रहे थे। वहीं कलेक्टर को इससे सुकून मिला। होटल के मालिक और वेटर के लिए अपनी आंखों में उमड़ आए आंसुओं को रोक पाना संभव नहीं हो रहा था। कहा भी गया है-

'संवेदना अमृत सखे, दे आत्मीयता-भाव।
कृतज्ञता भर दे प्रिय, नया पुराना घाव।'

बनारस के चटपटे खाने का लें स्वाद

भारत के सबसे प्राचीन और सबसे पवित्र शहरों में सबसे पहले नंबर पर आने वाला बनारस शहर किसी पहचान का मोहताज नहीं है। बनारस का जिक्र आते ही यहां के घाटों और खाने पीने की चीजों की तस्वीर जहन में घूमने लगती है। लोग यहां जाकर भगवान शिव के मंदिरों के दर्शन करके गंगा किनारे घाटों पर भी सैर करने जाते हैं। इसके साथ-साथ बनारस के खाने का स्वाद तो सबसे अच्छा रहता है। अब जब सावन का महीना शुरू हो गया है तो आप बिना कुछ सोचे समझे बनारस घूमने का प्लान बना सकते हैं। जैसे कि मान्यता है कि सावन के महीने में शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाना काफी शुभ होता है तो ऐसे में आप बनारस जाकर गंगा नदी से गंगाजल लेकर काशी विश्वनाथ धाम में पूजा कर सकते हैं। अगर आप अगर आप बनारस जा रहे हैं तो वहां के विभिन्न चटपटे खाने का स्वाद लेना बिल्कुल ना भूले।

पालक पत्ता चाट

अगर कुछ कुरकुरा खाने का मन है तो बनारस की मशहूर पालक पत्ता चाट जरूर ट्राई करें। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होती है। पालक के पकौड़ों से बनाई गई ये चाट आपके मन को भी खुश कर देगी। पालक पत्ता चाट को ज्यादातर लोगों की फेवरेट चाट में से एक है। पालक के पत्तों को बेसन में डिप करने के बाद डीप फ्राई किया जाता है ।

टमाटर चाट

बनारस की टमाटर चाट दूर-दूर तक काफी फेमस है। अगर आपको तीखा खाना पसंद है तो इसे टेस्ट करना कतई नहीं भूलिएगा। मिट्टी के सकोरे में मिलने वाली ये चाट खाकर आप बाकी चाट का स्वाद ही भूल जाएंगे। ये घी और खट्टे-मीठे स्वाद से लबरेज यह लजीज डिश आपको बनारस के अलावा और कहीं नहीं मिलेगी। अगर कोई बनारसी चाट होने का दावा भी करे, तो भी जायके में कुछ अंतर तो आ ही जाता है।

लस्सी

बनारस की गाढ़ी-गाढ़ी लस्सी पीने तो लोग दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में आप भी अगर बनारस जा रहे हैं तो लस्सी पीना कतई न भूलें। गर्मी के मौसम में ठंडी लस्सी आपको राहत पहुंचाएगी। दही की लस्सी टेस्टी होने के साथ ही शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होती है। लस्सी शरीर को ठंडा रखने में काफी मदद करती है। इसके साथ ही दही की लस्सी पीने से डाइजेशन भी बेहतर होता है।

जलेबी

जलेबी का नाम सुनते ही कई लोगों के मुंह में पानी आने लगता है। चाशनी में डूबी गरमागरम जलेबी जब सामने आती है तो किसी का भी अपने आपको रोकना मुश्किल हो जाता है, चाहे पेट कितना ही भरा हो। अगर आप बनारस जा रहे हैं और नाश्ते में जलेबी न खाएं, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। सुबह सवेरे बनारस जाकर वहां की मशहूर जलेबी खाकर अपने दिन की शुरूआत करें।

बाटी चोखा

पूर्वांचल में आपको बाटी चोखा हर गली मोहल्ले में बिकता दिख जाएगा लेकिन बनारस के बाटी चोखा की बात ही अलग है। सत्तू भरी बाटी के साथ जब आप बैंगन का चोखा खाएंगे तो आपका पेट भी प्रसन्न हो जाएगा। ठंड में लिट्टी चोखा का स्वाद अलग ही मजा देता है। आपने भी कभी न कभी लिट्टी चोखा का स्वाद जरूर लिया होगा। जो भी एक बार इसे चख लेता है उसका मन इसका स्वाद दोबारा लेने का हो ही जाता है।

चना कचौड़ी

गोल वाली छोटी कचौड़ी के साथ चटपटी चने, आलू और टमाटर की सब्जी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसका लुत्फ आप सिर्फ बनारस जाकर उठा सकते हैं। बारिश में जब ठंडा मौसम हो जाता है तो इसे खाने में अलग ही आनंद आता है।

हंसना मना है

एक यात्री ने स्टेशन मास्टर से पूछा- क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं? स्टेशन मास्टर बोला- नहीं यहां सिगरेट पीना सख्त मना है। यात्री- फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं? स्टेशन मास्टर- ये उन लोगों ने फेंके हैं जो पूछते नहीं है।

एक मुर्गा मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था। मालिक बहुत बीमार था, मालिक की पत्नी उसके बगल में बैठी थी। पत्नी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं। इतना सुनते ही मुर्गे के तोते उड़ गये, मुर्गा बोला- बहन जी। एक बार 'पेरासिटामोल' दे कर भी देख लो।

अगर किसी लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ आई लव यू बोलना गलत है तो किसी लड़के को उसकी मर्जी के खिलाफ भैया बोलना भी तो गलत है..

एक आदमी की एक टांग की हड्डी टूट गयी। वह इलाज के लिए हॉस्पिटल गया तो देखा कि वहां एक आदमी की दोनों टांगें टूटी हुई हैं। तो वो उसको देखकर बोला कि आपकी दो पत्नियां हैं क्या?

कहानी | बिना श्रद्धा और विश्वास के गंगा स्नान

एक समय शिवजी पार्वती के साथ हरिद्वार में घूम रहे थे। पार्वती जी ने देखा कि सहस्त्रों मनुष्य गंगा में नहा-नहाकर हर-हर गंगे कहते चले जा रहे हैं परंतु सभी दुखी और पाप परायण हैं। पार्वती ने पूछा कि गंगा में इतनी बार स्नान करने पर भी इनके पाप और दुखों का नाश क्यों नहीं हुआ? क्या गंगा में सामर्थ्य नहीं रही? शिवजी ने कहा, इन लोगों ने पापनाशिनी गंगा में स्नान ही नहीं किया है, पार्वती ने कहा कि सभी तो नहा कर आ रहे हैं? शिवजी ने कहा, ये केवल जल में डुबकी लगाकर आ रहे हैं। दूसरे दिन बड़े जोर की बरसात होने लगी। एक चौड़े रास्ते में एक गहरा गड्ढा था, शिवजी ने वृद्ध रूप धारण कर गड्ढे में जाकर ऐसे पड़ गए, जैसे कोई मनुष्य चलता-चलता गड्ढे में गिर पड़ा हो और पार्वती से बोले तुम लोगों को पुकारती रहो कि मेरे वृद्ध पति अकस्मात गड्ढे में गिर पड़े हैं कोई पुण्यात्मा इन्हें निकालकर इनके प्राण बचाए। शिवजी ने यह भी कहा कि जब कोई मुझे निकालने को तैयार हो तब इतना और कह देना कि मेरे पति सर्वथा निष्पाप हैं इन्हें वही छुए जो स्वयं निष्पाप हो अन्यथा आप भस्म हो जाएंगे। पार्वती जी गड्ढे के किनारे बैठ कर शिवजी की सिखाई हुई बात कहने लगीं। गंगा में नहाकर लोगों के दल आ रहे हैं। सुंदर युवती को यूं बैठी देख कइयों के मन में पाप आया, कई लोक लज्जा से डरे तो कइयों को कुछ धर्म का भय हुआ, कुछ ने तो पार्वती जी को सुना दिया कि मरने दे बुड्ढे को क्यों उसके लिए रोती है? कुछ दयालु युवती के पति को निकालना चाहा परंतु पार्वती के वचन सुनकर वे भी रुक गए। उन्होंने सोचा कि हम स्वयं भस्म न हो जाएं। किसी का साहस नहीं हुआ। शिवजी ने कहा, पार्वती! देखा, आया कोई सच्चे हृदय से गंगा में नहाने वाला है? फिर एक जवान हर-हर गंगे करता हुआ निकला, युवक शिवजी को निकालने की तैयारी की। उसने पार्वती से कहा कि माता! मेरे निष्पाप होने में तुझे संदेह क्यों होता है? देखती नहीं मैं अभी गंगा नहाकर आया हूं। तेरे पति को निकालता हूं। युवक ने लपककर बूढ़े को ऊपर उठा लिया। शिव-पार्वती ने उसे अधिकारी समझकर अपना असली स्वरूप प्रकट कर उसे दर्शन देकर कृतार्थ किया। शिवजी ने पार्वती से कहा कि इतने लोगों में से इस एक ने ही गंगा स्नान किया है। इसी दृष्टांत के अनुसार जो लोग बिना श्रद्धा और विश्वास के केवल दंभ के लिए गंगा स्नान करते हैं उन्हें वास्तविक फल नहीं मिलता परंतु इसका यह मतलब नहीं कि गंगा स्नान व्यर्थ जाता है। गंगा स्नान का बहुत पुण्य भी है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृषभ सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्य में दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। अधिक मस्ती-मजाक करने से बचें।

कन्या आज की यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

तुला कोई बड़ी योजना आज फलीभूत होगी। सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु व्यापार में आज किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

मकर भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

असफलताओं को सहजता से लेना सीख रही हूं : वाणी

वाणी कपूर ने शुद्ध देसी रोमांस, बिफिक्रे, वॉर, चंडीगढ़ करे आशिकी और शमशेरा सहित कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। इन दिनों अभिनेत्री अक्षय कुमार के साथ फिल्म खेल खेल में नजर आ रही हैं। बतौर कलाकार उन्होंने इंडस्ट्री में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। वाणी ने करियर यात्रा में सामने आई चुनौतियों का सामना कैसे किया और असफलता से निपटने का क्या मंत्र है हाल ही में उन्होंने साझा किया। वाणी कपूर ने बातचीत में असफलताओं से निपटने, अपनी ग्रोथ को समझने को लेकर बात की। वाणी कपूर ने स्वीकार किया कि असफलता से निपटना एक निरंतर सीखने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि वे खुद को इमोशनली असफलताओं से अलग करने की कोशिश कर रही हैं और यह पहचान रही हैं कि यह भी जीवन का ही हिस्सा है। वाणी ने आगे कहा, इससे सीखने का प्रयास करें। अभिनेत्री ने फिल्म मेकिंग में सहयोग पर भी बात किया और कहा कि एक फिल्म कैसी साबित होगी, उसका परिणाम उनके कंट्रोल से बाहर की चीज है। इसमें कई फैक्टर काम करते हैं। एक फिल्म को बहुत सारे लोगों के प्रयास के साथ बनाया जाता है। फिल्म एडिट टेबल पर भी बनाई जाती है। एक बैकग्राउंड स्कोर होता है। अन्य लोग और किरदार होते हैं। इसलिए यह सब सिर्फ आपके कंधों पर नहीं है। इसके बावजूद, वाणी ने यह बात भी स्वीकारी की वह अक्सर फिल्म के प्रदर्शन का बोझ अपने ऊपर ले लेती हैं, लेकिन वह असफलताओं को भी सहजता से लेना सीख रही हैं। अपने करियर पर बात करते हुए वाणी ने अपने तमाम किरदारों का जिक्र छेड़ा और कहा बेफिक्रे में अपना किरदार शायरा की उनके लिए एक खास जगह है। उन्होंने कहा कि फिल्म को वह प्यार नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी, इसके बावजूद वह इस किरदार से जुड़ी हुई हैं। वाणी ने कहा, मेरे पूरे करियर में मेरे सारे किरदार खास रहे हैं, मुझे पता है कि इस फिल्म को वह प्यार नहीं मिला जो मैं चाहती थी, लेकिन मैं बेफिक्रे में शायरा के किरदार से बहुत जुड़ी हुई थी।

अपारशक्ति खुराना ने बांधे अक्षय की तारीफों के पुल

दंगल और स्त्री जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से अपारशक्ति खुराना ने लोगों के दिलों में अलग छाप छोड़ी है। वह इन दिनों स्त्री 2 की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। इस फिल्म में वह बिट्टू के किरदार के लिए खूब वाहवाही बटोर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने भी उनके साथ काम किया है। हाल ही में अपारशक्ति ने एक बातचीत में बॉलीवुड के खिलाड़ी की खुलकर तारीफ की है।

फिल्म में अक्षय ने सरकटा वंश के आखिरी जीवित सदस्य की भूमिका निभाई है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर अभी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। बातचीत के दौरान अपारशक्ति खुराना ने अक्षय की हंसाने की कला पर बात करते हुए कहा कि कोई भी उनकी कॉमिक टाइमिंग से मेल नहीं खा सकता।

उन्होंने अमेरिका में शूटिंग के दौरान अक्षय के साथ बिताए 20 दिनों को याद करते हुए कहा कि वह वह असीम ऊर्जा, अनुशासन और इंडस्ट्री में उनके अब तक सफर से अचंभित हैं। स्त्री 2 के सेट पर अक्षय की ऊर्जा और काम के प्रति उनके समर्पण की तारीफ करते हुए अपारशक्ति ने कहा, जब वह एक सीन भी करने आते हैं, तो भी उनमें ऐसी उर्जा होती है जैसे वह पूरी फिल्म का हिस्सा हों। वह बहुत दिल से काम करते हैं। अपारशक्ति ने अक्षय के कैमियो रोल में भी अपनी छाप छोड़ने पर आश्चर्य व्यक्त किया।

गौरतलब है कि स्त्री-2 में अक्षय कुमार को विशिष्ट भूमिका में देखकर फैंस भी हैरान रह गए थे। लोगों को उनकी कॉमिक टाइमिंग खूब पसंद आई थी। स्त्री-2 की स्टाकास्ट की बात करें तो फिल्म में श्रद्धा कपूर , राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिका निभाई है।

इंटीमेट सीन्स करने से परहेज करती हैं जैस्मीन भसीन

टीवी की क्यूट एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन सीरियल्स से ज्यादा फिल्मों में एक्टिव हैं। उन्होंने फिलहाल टीवी शोज से दूरी बनाई हुई है और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। वो कई पंजाबी फिल्मों में अपना जलवा दिखा चुकी हैं अब जैस्मीन ओटीटी पर कदम रखने की प्लानिंग कर रही हैं मगर ओटीटी पर काम करने के लिए उनकी एक शर्त है। अगर ये शर्त पूरी होती है तो जरुर ओटीटी पर शो करेंगी।

बॉलीवुड | मसाला

जैस्मीन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वो इंटीमेट सीन्स से परहेज करती हैं।

जैस्मीन ने इंटरव्यू नें ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स करने को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा- मैं अभी तक ओटीटी पर नहीं आई हूं। मेरी कुछ शर्ते हैं, जब वो पूरी हो जाएंगी तभी मैं काम करूंगी। जैस्मीन ने आगे कहा- मेरी कुछ लिमिट्स हैं जिन्हें मैं पार नहीं करना चाहती हूं। मैं ओटीटी पर कुछ दमदार करना चाहती हूं, उसके लिए मुझे मेरी हदें पार न करनी पड़े। मैं चाहती हूं कि ऐसे किरदार निभाऊं जिसे देखकर मेरे मम्मी-पापा को शर्मिंदगी महसूस न हो। अगर वो मुझे स्क्रीन पर देख रहे हैं तो आराम से देख सकें। मुझे लगता है रोल को लेकर ख्याल रखना जरुरी है। मैं वो ही कैरेक्टर प्ले करूंगी जिसे करने में मुझे दिक्कत न हो।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो जैस्मीन भसीन बिग बॉस के बाद से अली गोनी को डेट कर रही हैं। अली और जैस्मीन के रिलेशनशिप को कई साल हो गए हैं। दोनों अक्सर साथ में नजर आते हैं। दोनों साथ में ट्रिप पर भी जाते रहते हैं। सोशल मीडिया पर फैंस को इनकी क्यूट और रोमांटिक फोटोज देखने को मिलती हैं। फैंस को अब जैस्मीन और अली की शादी का बेसब्री से इंतजार है। वो पोस्ट पर कमेंट करके आए दिन शादी के बारे में पूछते रहते हैं।

अजब-गजब | चूहों से परेशान है इस देश का द्वीप

इस देश में चूहों के आतंक से बचने के लिए एक पूरे द्वीप को ही बम से उड़ाने का है प्लान

अगर किसी द्वीप पर कोई देश बमबारी करने की योजना बना रहा है तो उसकी क्या वजह हो सकती है? आपको लगेगा कि शायद किसी दूसरे देश पर आक्रमण करने की योजना होगी! लेकिन ऐसा नहीं है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ऐसा पर्यावरण के लिए हो रहा है। जी हां। दक्षिण अफ्रीका अपने ही द्वीप पर बमबारी करने की तैयारी कर रहा है और मकसद चूहों को खत्म करना है जिससे पर्यावरण को बचाने में मदद मिलेगी क्योंकि हजारों की संख्या में मारे जा रहे अल्बाट्रॉस पक्षियों को बचाया जा सकेगा।

दक्षिण अफ्रीका देश का मैरियन केप टाउन से लगभग 2,000 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में एक सुदूर द्वीप है। वहां बमबारी की योजना की वजह केवल इतनी है कि वहां समुद्री पक्षी, विशेष रूप से अल्बाट्रॉस, चूहों का शिकार बन रहे हैं। देश ने दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण पक्षी संरक्षण प्रयास की शुरुआत की है, जो कि माउस-फ्री मैरियन प्रोजेक्ट है। इस परियोजना के हिस्से के रूप में, हेलीकॉप्टरों को पूरे द्वीप में 600 टन चूहामार रसायन युक्त छर्रों को फैलाने, या बम से उड़ाने के लिए तैनात किया जाएगा। परियोजना को अभी तक फंड नहीं मिला है, लेकिन जरूरी धनराशि से चौथाई, यानी 2 अरब, 43 करोड़ 37 लाख 64 हजार रुपये जुटाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं योजना का समय भी तय किया गया है। इरादा 2027 की सर्दियों में चूहों पर हमला करने की है, जब वे सबसे अधिक भूखे होते हैं और गर्मियों में प्रजनन करने वाले पक्षी चले जाते हैं। लेकिन यह अभियान तभी सफल होगा जब 25 किलोमीटर लंबे और 17 किलोमीटर चौड़े द्वीप का हर इंच कवर हो जाएगा। बर्डलाइफ साउथ अफ्रीका की एक बैठक में संरक्षणवादी मार्क एंडरसन का कहना है, हमें हर आखिरी चूहे से छुटकारा पाना होगा। अगर कोई नर और मादा बचेगी, तो वे प्रजनन कर सकते हैं और आखिर वापस वहीं पहुंच सकते हैं, जहां हम अभी हैं। मैरियन द्वीप कई समुद्री पक्षियों का घोंसला बनाने की जगह है, जिसमें अल्बाट्रॉस भी शामिल है। लेकिन अब वे खतरे में हैं, क्योंकि चूहों के झुंड उन पर हमला कर रहे हैं और उनके अंडे खा रहे हैं।

माउस-फ्री मैरियन प्रोजेक्ट के अनुसार, द्वीप पर समुद्री पक्षियों की 29 प्रजातियों में से 19 स्थानीय विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रही हैं। एंडरसन ने कहा, हम चूहों के कारण हर साल सैकड़ों हजारों समुद्री पक्षियों को खो रहे हैं।

पहले थप्पड़ खाओ, फिर खाना, पैसे देकर यहां मार खाने आते हैं लोग!

जब भी हम घर का खाना खाते-खाते बोर हो जाते हैं, तो बदलाव के लिए रेस्टोरेंट भी जाते हैं। ऐसे में कुछ ऐसी जगहें चुनी जाती हैं, जहां कुछ न कुछ खास हो। या तो यहां के खाने में कुछ विशेष हो या फिर जगह की एंबियंस ऐसी हो कि वहां जाकर बैठने में मजा आ जाए। दुनियाभर में ऐसे कई होटल और रेस्टोरेंट हैं, जो अपनी खासियत की वजह से हर जगह जाने जाते हैं। आप भी अलग-अलग रेस्टोरेंट में खाने के लिए गए होंगे, जहां कुछ न कुछ स्पेशल होता है। हालांकि आज जिस रेस्टोरेंट की हम बात कर रहे हैं, वहां स्वागत के तौर पर आने वालों को थप्पड़ रसीद किए जाते हैं। ये रेस्टोरेंट अपने देश में तो नहीं लेकिन एशियन देश जापान में मौजूद है। इस जगह के अजीबोगरीब कल्चर के बारे में सुनेंगे तो आप दंग रह जाएंगे। इस रेस्टोरेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस जापानी रेस्टोरेंट का नाम Shachihokoya-ya है। ये नागोया में मौजूद है, जहां वेट्रेस थप्पड़ मारकर आपका स्वागत करती हैं। यहां आने वाले लोग 300 जापानी येन यानी कि 169 रुपए खर्च करके पारंपरिक जापानी पोशाक में सजी वेट्रेस से थप्पड़ खाने आते हैं। इनका थप्पड़ कई बार इतना तेज़ होता है कि इंसान अपनी जगह से नीचे गिर जाता है। वीडियो देखकर आपको हंसी आ रही होगी लेकिन ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि थप्पड़ वाले कॉन्सेप्ट की वजह से ये रेस्टोरेंट खासा लोकप्रिय हो चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर curiologist नाम के अकाउंट से इसका वीडियो पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा गया है ङ्क जापान का स्लैप बार। इसके बारे में जानकारी भी कैप्शन में बताई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Shachihokoya-ya को साल 2012 में खोला गया था। पहले ये रेस्टोरेंट बंद होने जा रहा था, लेकिन फिर यहां थप्पड़ वाला कॉन्सेप्ट लाया गया। महिला वेट्रेस पहुंचते ही लोगों को थप्पड़ मारती थी, जिसकी वजह से लोगों की भीड़ इस नज़ारे को देखने आने लगी। थप्पड़ खाने के लिए लोग यहां लाइन लगाते नजर आते है। उन्हें ये जागरूक करने का ज़रिया लगता है।

अंबानी से आगे निकले गौतम अडानी

बने एशिया की सबसे अमीर शख्सियत

» भारत में अरबपतियों की संख्या में आया 29 प्रतिशत का उछाल, 334 तक पहुंची संख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ते हुए अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। लंबे वक्त से मुकेश अंबानी भारत के सबसे अमीर शख्स बने हुए थे, मगर अब यह ताज गौतम अडानी को मिल गया है। हुरुन इंडिया रिच 2024 लिस्ट के मुताबिक इस लिस्ट में कुल 1,539 भारतीयों का नाम शामिल किया गया है।

इन सभी व्यक्तियों की संपत्ति 1,000 करोड़ से अधिक है। इस लिस्ट में टॉप पर गौतम अडानी का नाम है, वहीं दूसरे स्थान पर मुकेश अंबानी हैं। इस लिस्ट को 31 जुलाई 2024 के डेटा के अनुसार बनाया गया है। इसके साथ ही भारत में पिछले साल हर पांच दिन में एक नया अरबपति बना है। हुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद के अनुसार भारत एशिया के धन सृजन इंजन के रूप में उभर रहा है। चीन में अरबपतियों की संख्या में 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि भारत में इसमें 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई और अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड 334 तक पहुंच गई। हुरुन इंडिया की रिपोर्ट में के अनुसार पिछले साल भारत में हर 5 दिन में एक नया अरबपति बना। रिपोर्ट में संपत्ति की गणना 31 जुलाई 2024 तक की हैहुरुन इंडिया के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, भारत एशिया के धन सृजन इंजन के रूप में उभर रहा है! हुरुन इंडिया रिच लिस्ट के अनुसार भारत में अरबपतियों की संख्या 334 हो गई है। पिछले साल की तुलना में इस साल 75 अरबपतियों का इजाफा हुआ

है। हुरुन इंडिया के चीफ रिसर्चर अनस रहमान जुनैद के अनुसार संपत्ति बनाने के ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक मिलना जारी है। वहीं 2024 हुरुन इंडिया की अमीरों की सूची में सबसे युवा 21 वर्षीय कैवल्य वोहरा हैं, जो 5 अरब डॉलर के क्विक कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो का संचालन करते हैं। उनके सह-संस्थापक 22 वर्षीय आदित पालिचा सूची में दूसरे सबसे युवा हैं। पहली बार, भारतीय फिल्म स्टार शाहरुख खान हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में शामिल हैं। इसका मुख्य कारण आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में उनकी हिस्सेदारी का बढ़ता मूल्य है। सूची के अनुसार उनका नेटवर्थ करीब 7,300 करोड़ रुपये है। मनोरंजन उद्योग से हुरुन इंडिया रिच लिस्टर्स में सिर्फ एक साल में 40,500 करोड़ रुपये जुड़े हैं। इस क्षेत्र से सात लोगों के नाम शामिल किए गए हैं।

हुरुन इंडिया रिच ने 2024 की जारी की लिस्ट

1,61,800 करोड़ रुपये हुई गौतम अडानी की संपत्ति

हुरुन इंडिया रिच 2024 की लिस्ट के मुताबिक 62 वर्षीय गौतम अडानी की संपत्ति 1,61,800 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वहीं लिस्ट में दूसरे स्थान पर मुकेश अंबानी का नाम है, जिनकी संपत्ति 1,014,700 करोड़ रुपये है। लिस्ट में तीसरे स्थान पर HCL के शिव नाडर का नाम है। उनकी कुल नेट वर्थ 314,000 करोड़ रुपये है। चौथे स्थान पर साइरस पूनावाला का नाम आता है। उनकी नेट वर्थ 289,900 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। लिस्ट में पांचवे स्थान पर Sun Pharma के दिलीप संघवी का नाम है, जो कुल 249,900 करोड़ रुपये के मालिक है। कुमार मंगलम बिड़ला इस सूची में 6ठे स्थान पर है और उनकी नेट वर्थ 235,200 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हिंदुजा के गोपीचंद हिंदुजा की नेटवर्थ 192,700 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। राधाकृष्ण दमानी इस लिस्ट में 190,900 करोड़ की संपत्ति के साथ आठवें स्थान पर हैं। लिस्ट में 9वें स्थान पर अजीम प्रेमजी का नाम है, जिनकी नेट वर्थ 190,700 करोड़ तक पहुंच गई है। लिस्ट में 10 वें स्थान पर नीरज बजाज का नाम है, जिनकी नेट वर्थ 162,800 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

महिलाओं की आवाज किस श्रेणी में रखेगी योगी सरकार: प्रियंका

» बोलीं- सोशल मीडिया पॉलिसी सच को दबाने का एक और तरीका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार की हाल ही में लाई गई सोशल मीडिया पॉलिसी पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि जो तुमको हो पसंद, वही बात कहेंगे, तुम दिन को अगर रात कहो, रात कहेंगे। उप्र सरकार की सोशल मीडिया पॉलिसी में न्याय मांग रही महिलाओं की आवाजें किस श्रेणी में आएंगी? 69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले में उठने वाले सवाल किस श्रेणी में आएंगे? भाजपा नेताओं-विधायकों द्वारा भाजपा सरकार की पोल-पट्टी खोलना किस श्रेणी में आएगा?

तुम दिन को कहो रात तो रात, वरना हवालात, नीति सच को दबाने का एक और तरीका है। क्या भाजपा लोकतंत्र और संविधान को कुचलने से ज्यादा कुछ सोच ही नहीं सकती? उप्र शासन ने उत्तर प्रदेश डिजिटल मीडिया नीति-2024 जारी कर दी है।

मप्र में दलित होना गुनाह: जीतू

» दो घंटे से थाने पर बैठा कोई सुनवाई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटनी। कटनी में दलित महिला के साथ रंगनाथ थाने पहुंचे जीतू पटवारी ने बीजेपी सहित पुलिस प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए उनकी पूरी कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को दलित महिला कुसुम वंशकार और उनके पोते से मुलाकात करने कटनी पहुंचे थे। जहां पीड़ित महिला ने अपने साथ हुई बर्बरता का पूरा किस्सा उन्हें और लखन घनघोरिया सहित अन्य नेताओं को सुनाया।

कटनी में दलित बच्चे और उसकी दादी को क्रूरता पूर्वक पीटा जाता है और अब दोषियों पर FIR तक नहीं की जा रही है! मोहन यादव जी, दलितों से आपको इतनी नफ़रत क्यों है, इस क्रूरता भरे कृत्य के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलना आपकी दलित विरोधी सोच को दर्शा रहा है। पटवारी ने कहा, दो घंटे बीत गए पुलिस असमंजस में है, एफआईआर दर्ज नहीं कर पा रही है। अम्मा दलित है, यह गुनाह हो गया। ये पुलिस का ओपेन गुंडाराज है। पुलिस और मोहन सरकार का चेहरा कितना दलित विरोधी है, इसका पता चल गया है। एफआईआर तो दर्ज होगी, अभी दो घंटे हुए चार घंटे भी होंगे, सुबह भी होगी। लेकिन एफआईआर होगी या हमारी गिरफ्तारी होगी तो न्यायालय से जमानत होगी और FIR कोर्ट से दर्ज करवाएंगे। फिलहाल, जीतू पटवारी करीब चार घंटे से अघोषित धरना प्रदर्शन पर बैठे हुए हैं, जो कब तक चलेगा यह देखना अभी बाकी है।

आपदा का पैसा न रुकवाएं जयराम: सुक्खू

» बोले- हम नेता प्रतिपक्ष के क्षेत्र में खर्च करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान सीएम सुक्खू ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के बीच तीखी बहस हुई। भाजपा नेता के प्रश्न का उत्तर देते हुए सीएम ने कहा-आप दिल्ली जाकर आपदा का पैसा न रुकवाएं। बजट लाने में सहयोग करेंगे तो हम आपके क्षेत्र में खर्च करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दसवें महीने में पुल का शिलान्यास हुआ और 11वें महीने में चुनाव घोषित हो गए। सराज में खूब पैसा खर्च हुआ।

मंत्री भी रोते रहे कि उनके क्षेत्र में भेदभाव हो रहा है। आपदा के बाद पीडीए में जो पैसा आना है, उसे लाने में सहयोग करें। दिल्ली जाकर पैसा न रुकवाएं। हम सारा पैसा खर्च कर देंगे।

इसमें राज्य की ओर से भी बजट खर्च किया जाना है। सुक्खू ने यह बात उस वक्त कही, जब जयराम ठाकुर ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को थुनाग पुल पर उठाए गए इस प्रश्न पर घेरा। जयराम ने प्रश्नकाल में यह मामला उठाया कि थुनाग बाजार में पुल का काम शुरू किया गया था। शिकारी माता को एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। पुल के निर्माण के लिए उन्होंने भाजपा सरकार में पुल के लिए बजट की व्यवस्था की। अभी तक पुल में जंजैहली में एबेटमेंट का काम पूरा नहीं किया गया है। एक एबेटमेंट बनाकर काम बंद कर दिया गया है।

जयराम ने केंद्रीय नेताओं को न बुलाने पर जताई आपत्ति

नेता विपक्ष जयराम ठाकुर न मेडिकल पार्क के प्रशासनिक ब्लॉक के शिलान्यास में किसी भी केंद्रीय नेता को नहीं बुलाने को लेकर आपत्ति जताई। जयराम ठाकुर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार की देन है। शिलान्यास को लेकर ना तो केंद्र सरकार को सूचना दी गई और ना ही किसी को बुलाया गया। जवाब में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रोजेक्ट का शिलान्यास पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर चुके हैं। अब प्रोजेक्ट के छोटे-छोटे ब्लॉक सरकार अपने बजट से तैयार करने लगी है, ऐसे में केंद्र से किसी को बुलाना जरूरी नहीं है।

पेरिस पैरालंपिक : शीतल देवी ने रचा इतिहास

» सिंग्स कंपाउंड आर्चरी में 704 अंक बटोरे

» मनीषा ने बैडमिंटन सिंगल्स में दर्ज की रोमांचक जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस पैरालंपिक 2024 का आगाज हो चुका है। जहां 29 अगस्त से भारतीय एथलीट्स ने अपने अभियान की शुरुआत भी कर ली। पैरालंपिक का पहला दिन भारत के लिए मिला जुला रहा। जहां पैरा बैडमिंटन में कई खिलाड़ियों को जीत हासिल हुई तो कुछ को निराशा हाथ लगी। बता दें कि पैरालंपिक 2024 में भारत की तरफ से 84 खिलाड़ी 12 खेलों में हिस्सा लेंगे। 84 खिलाड़ियों का दल अभी तक भारत का सबसे बड़ा दल है।

भारत को इस बार अपने पैरा एथलीट्स से ज्यादा से ज्यादा मैडल की उम्मीद है। सबसे पहले तो महिला सिंग्स कंपाउंड आर्चरी के क्वालीफिकेशन राउंड में भारत की शीतल देवी ने इतिहास रचा। शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड को ध्वस्त कर पहले क्वालीफिकेशन राउंड में 704 अंक बटोर कर वर्ल्ड रिकॉर्ड से आगे निकल गई हैं। वहीं मनीषा रामदास ने महिला बैडमिंटन सिंगल्स एसयू5 कम्पटीशन के पहले राउंड के मैच में फ्रांस की मौद लेफोर्ट को 8-21, 21-6, 21-19 से हरा दिया। आखिरी गेम में मनीषा को बहुत बड़ी टक्कर मिली, लेकिन आखिर प्वाइंट बटोरने के बाद उन्होंने खूब दहाड़ लगाई। जबकि सुहास यतिराज ने पहले गेम में इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी को 21-7 से हराया। सुहास को पुरुष एकल एसएल4 ग्रुप ए मैच में इंडोनेशिया के हिकमत रामदानी को सीधे सेटों में मात दी।

मानसी जोशी को मिली हार

हालांकि, पैरालंपिक्स 2024 की सिंगल्स महिला बैडमिंटन एल3 प्रतियोगिता में मानसी जोशी 21-16, 13-21, 18-21 से हार गईं। ये ग्रुप ए का मैच रहा, जिसमें अभी मानसी को यूक्रेन की ओक्साना से मैच होना बाकी है। ओक्साना को हराकर अब भी मानसी क्वार्टर फाइनल में एंट्री पा सकती है।

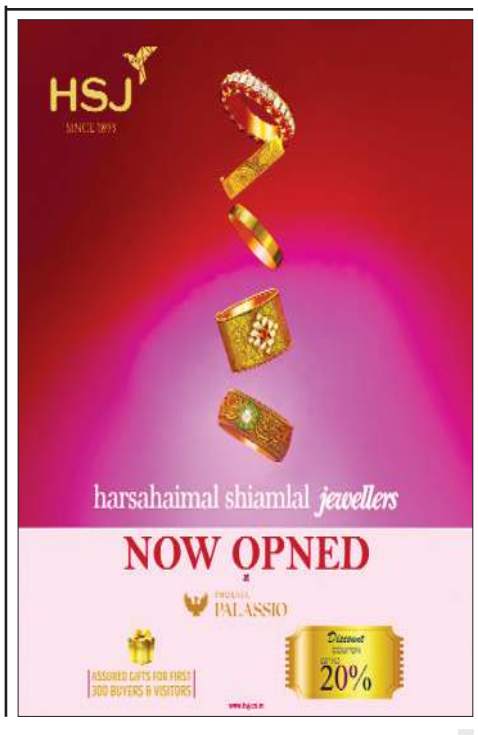

शिवाजी की प्रतिमा ढहने के मामले में मचा सियासी बवाल

» संरचना सलाहकार चेतन पाटिल गिरफ्तार

» विपक्ष का शिंदे सरकार पर हमला, लीपापोती करने का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में दर्ज एफआईआर में नामजद संरचना सलाहकार चेतन पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि पाटिल ने कहा वह सलाहकार नहीं थे। उधर इस ममले में राजनीति भी हो रही है। विपक्ष शिंदे सरकार पर लीपापोती करने कर आरोप लगा रहा है।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने बताया कि पाटिल को बृहस्पतिवार देर रात हिरासत में लेने के बाद पूछताछ के लिए सिंधुदुर्ग पुलिस को सौंप दिया गया। सिंधुदुर्ग पुलिस ने बताया कि पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोल्हापुर के रहने वाले पाटिल ने बुधवार को दावा किया था कि वह इस परियोजना के लिए संरचना सलाहकार नहीं थे. मामले से जुड़ी प्राथमिकी में पाटिल को कलाकार जयदीप आप्टे के साथ नामजद किया गया। पाटिल ने कहा था कि उन्होंने राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से भारतीय नौसेना को मंच का डिजाइन सौंपा था, लेकिन उनका प्रतिमा से कोई लेना-देना नहीं था।

मुझसे सिर्फ मंच पर काम करने को कहा गया : पाटिल

पाटिल ने कहा ठाणे स्थित एक कंपनी ने प्रतिमा से जुड़ा काम किया। मुझसे सिर्फ उस मंच पर काम करने के लिए कहा गया था, जिस पर प्रतिमा खड़ी की जानी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल चार दिसंबर को नौसेना दिवस के मौके पर सिंधुदुर्ग की मालवण तहसील स्थित राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन किया था, जो सोमवार को दोपहर एक बजे के आसपास ढह गई थी।

महाराष्ट्र सरकार की हो रही जमकर किरकिरी

इस घटना से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी और उसे विपक्षी दलों की आलोचनाओं और विरोध-प्रदर्शन का सामना करना पड़ा था। शिंदे ने कहा था कि प्रतिमा का निर्माण भारतीय नौसेना ने किया था।

अरब सागर में अगस्त में 48 साल बाद तूफान की आशंका

» 75 किमी की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, कच्छ में घर खाली कराए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अरब सागर में 48 साल बाद अगस्त में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह कहा- गुजरात के करीब अरब सागर में यह तूफान 12 घंटे में देखने को मिल सकता है। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात के कच्छ में दिखेगा। यहां 65 से 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी।

तूफान के चलते राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका में भी भारी बारिश का अलर्ट है। कच्छ और राजकोट में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। कच्छ में कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले। गुजरात में 1 हफ्ते से जारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां 4 दिन 32 लोगों की जान गई है। एनडीआरफ व एसडीआरएफ के बाद सेना को भी तैनात किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र (डीप डिप्रेशन) अरब सागर की ओर शिफ्ट होते हुए चक्रवाती तूफान में बदलता दिख रहा है।मौसम विभाग ने आशंका जताई थी कि यह डीप डिप्रेशन कमजोर हो जाएगा, लेकिन शुक्रवार सुबह तक यह और स्ट्रॉन्ग होकर तूफान में बदलता दिख रहा है। इस तूफान का गुजरात में लैंडफॉल नहीं होगा। दरअसल, आमतौर पर तूफान समुद्र से जमीन की ओर आता है, लेकिन इस बार तूफान जमीन से समुद्र की ओर जाते दिख रहा है।

80 साल में अगस्त में सिर्फ तीन बार आया तूफान

मौसम विभाग ने कहा है कि बहुत ही रेयर केस में अरब सागर में अगस्त में चक्रवाती तूफान देखने को मिलते हैं। अब तक सिर्फ तीन तूफान अगस्त में अरब सागर से उठे हैं। पहली बार अगस्त 1944 में तूफान आया था। इसके बाद 1964 में गुजरात के तट पर साइक्लोन आया था। अगस्त में आखिरी तूफान 1976 में आया था। हालांकि, बंगाल की खा?ी में 132 सालों में अगस्त में 28 तूफान आ चुके हैं।

रामदास सोरेन बने हेमंत सरकार के नए मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। घाटशिला से निर्वाचित विधायक रामदास सोरेन हेमंत मंत्रिमंडल के नए सदस्य बने हैं। उन्होंने आज यानी शुक्रवार (30 अगस्त) को राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, हफीजुल हसन, इरफान अंसारी, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, कैबिनेट सचिव वंदना दादेल, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह में रामदास सोरेन के समर्थक एवं परिवार के सदस्य भी पहुंचे थे। मंत्री पद की शपथ लेने से पहले घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन ने शुक्रवार को सबसे पहले राजधानी रांची में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया।

फोटो: सुमित कुमार

पुलिस भर्ती : पहली पाली की परीक्षा हुई संपन्न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सिपाही भर्ती की लिखित परीक्षा का आज चौथा दिन है। परीक्षा के लिए केंद्रों पर अभ्यर्थियों का कड़ी जांच के बाद उन्हें प्रवेश दिया गया। एसटीएफ और जिलों की पुलिस, सॉल्वर्स और परीक्षा में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने का प्रयास करने वालों पर कड़ी नजर रख रखे रही। प्रथम पाली की परीक्षा 10 बजे शुरू हुई जो दोपहर 12 बजे सम्पन्न हुई।

एनआईए ने मारा नक्सल प्रभावित राज्यों में छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) शुक्रवार को प्रतिबंधित संगठन के नेताओं के खिलाफ चार राज्यों में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, एनआईए की जांच से संकेत मिला है कि कई फ्रंटल संगठनों और छात्र विंग को भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के इरादे से कैडरों को प्रेरित करने और भर्ती करने तथा नक्सल विचारधारा का प्रचार करने का काम सौंपा गया है।

एनआईए सूत्रों ने बताया कि उन पर इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए आतंकी और हिंसा की साजिश रचने का आरोप है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा नक्सल मामले में जिन चार राज्यों में छापेमारी की जा रही है, उनमें पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। आतंकवाद विरोधी एजेंसी के एक बयान के अनुसार, 28 अगस्त को गुजरात, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा में 16 स्थानों पर छापेमारी की गई।

अपने ही पार्षदों के निशाने पर आईं मेयर

» हंगामेदार रही नगर निगम की पहली बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उम्मीद के मुताबिक नगर निगम सदन की बैठक की शुरुआती हंगामें से हुई। मेयर ने कहा कि एक-एक वार्ड से मुद्दे लिए जाएंगे जिसका उन्ही के पार्टी के पार्षदों ने विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना था कि पहले पुराने सदन के मुद्दों की पुष्टि होनी चाहिए जो मुद्दे चर्चा में आए थे उनके क्या कार्रवाई हुई उसी पर बात होती है उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाए। जिसको हंगामा के बाद मेयर ने स्वीकार कर लिया। छह बार के पार्षद नागेंद्र सिंह चौहान ने इस दौरान पार्षदों के लिए अलग से बजट और नगर निगम की बिल्डिंग में पार्षद कोटे की राशि को न लगाने की मांग की। इस दौरान अपनी मांगों को लेकर जानकीपुरम विस्तार के किसानों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन भी सौंपा।

कांग्रेस की पार्षद ममता चौधरी ने आरोप लगाया कि विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है। सदन में कांग्रेस दल की नेता महिला का सम्मान नहीं किया जा रहा है। भाजपा के पुरुष पार्षद अभद्रता कर रहे हैं। ममता की समर्थन में समाजवादी पार्टी की महिला पार्षद भी आ गई। अमीनाबाद और गुरु नानक मार्केट में अतिक्रमण और वहां हुई दुकानों के अलॉटमेंट का मुद्दा भी उठा।

दरअसल अमीनाबाद में जिन आवंटियों को दुकान दी गई है आज उनकी जगह पर कोई और वहां दुकान चला रहा है। इसके साथ-साथ वहां अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया गया पार्षद अनुराग मिश्रा ने कहा कि केवल अमीनाबाद ही नहीं चौक समेत लखनऊ के सारे बंजारों की स्थिति वही है। भाजपा के पार्षद रघुनाथ शुक्ला ने रेमकी कंपनी का जैसे ही मुद्दा उठाया उन्हीं के दल के रणजीत सिंह ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। रघुनाथ शुक्ला के समर्थन में मुन्ना मिश्रा राजेश सिंह गब्बर नागेंद्र सिंह चौहान पृथ्वी गुप्ता समेत तमाम पार्षद खड़े हो गए आपस में ही नारेबाजी करने लगे हंगामा इतना बड़ा की मेयर सदन को छोड़कर चली गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।